जय जय राधा माधव जय जय गोविंद हरे लिरिक्स

जय जय राधा माधव,
जय जय गोविंद हरे,
जो आये द्वार तेरे,
सबके भंडार भरे।**lbd।**

तर्ज – होंठों से छू लो।

है नाम पतित पावन,
करुणामय श्याम तेरा,
थोड़ा सा बन जाये,
है मोहन काम मेरा,
है रसिक बिहारी जी,
हम तेरी शरण परे,
जो आये द्वार तेरे,
सबके भंडार भरे।**lbd।**

तेरे नाम के सुमिरन से,
मेरी सुबह सुहानी है,
तेरे दर्शन से प्रभु,
मौजों में रवानी है,
तू मन मोहन छलिया,
सबके सन्ताप हरे,
जो आये द्वार तेरे,
सबके भंडार भरे।**lbd।**

आ जाओ ब्रज तजकर,
दीनों का ध्यान धरो,
जो तुझे नही भजते,
उनका अभिमान हरो,
न रहे दुखी कोई,
'राजेन्द्र' पुकार करे,
जो आये द्वार तेरे,
सबके भंडार भरे।**lbd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जय जय गोविंद हरे,
जो आये द्वार तेरे,
सबके भंडार भरे।bd।

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com